vinetur

ट्रंप का कनाडाई शराब प्रतिबंध अमेरिकी व्हिस्की की बिक्री बढ़ाने में नाकाम

18 नियंत्रण वाले राज्यों के सितंबर के आंकड़ों में प्रतिबंध लागू होने के बाद अमेरिकी व्हिस्की की बिक्री मात्रा 0.1% घटी

गुरुवार, 12 नवंबर 2026



ट्रंप प्रशासन के कनाडाई शराब आयात पर प्रतिबंध से अमेरिका के कुछ हिस्सों में कनाडाई व्हिस्की की बिक्री प्रभावित हुई है, लेकिन शुरुआती बिक्री आंकड़े बताते हैं कि इससे पीने वालों ने अमेरिकी व्हिस्की की ओर रुख नहीं किया।

National Alcohol Beverage Control Association के अनुसार, सितंबर में उन 18 अमेरिकी राज्यों में कनाडाई व्हिस्की की बिक्री पिछले साल की तुलना में 15,000 से अधिक केस घट गई, जहां सरकारी एजेंसियां शराब की बिक्री नियंत्रित करती हैं। इसी महीने इन राज्यों में अमेरिकी व्हिस्की की बिक्री मात्रा 0.1% फिसली, जबकि कुल स्पिरिट्स की बिक्री मात्रा 3.2% बढ़ी।

बिक्री में बढ़त अन्य श्रेणियों को मिली। NABCA ने बताया कि सितंबर में कैन में मिलने वाले कॉकटेल की बिक्री लगभग

29% और टकीला की बिक्री 9.5% बढ़ी। अमेरिकी व्हिस्की की डॉलर में बिक्री 0.8% बढ़ी, लेकिन मात्रा में गिरावट से संकेत मिला कि इस श्रेणी ने कनाडाई व्हिस्की की खोई बिक्री हासिल नहीं की।

Newsweek की रिपोर्ट में छपे बयान में Distilled Spirits Council of the United States के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी Chris Swonger ने कहा, "आयात प्रतिबंध से अमेरिकी उत्पादकों को कोई लाभ नहीं हुआ है।" DISCUS अमेरिकी डिस्टिल्ड स्पिरिट्स उद्योग का प्रमुख व्यापार संगठन है।

ये आंकड़े पेय कारोबार की एक व्यापक समस्या की ओर इशारा करते हैं। व्यापार विवाद दुकानों की अलमारियों से बोतलें हटा सकता है, लेकिन इससे मांग घरेलू ब्रांडों की ओर मुड़े, यह जरूरी नहीं। इसके बजाय, इससे सीमा के दोनों ओर निर्यात घट सकता है, उत्पादकों और खुदरा विक्रेताओं पर दबाव पड़ सकता है और उपभोक्ता पूरी तरह अलग पेयों की ओर जा सकते हैं।

अमेरिका का आयात प्रतिबंध 29 सितंबर को रात 12:01 बजे Tariff Act of 1930 की धारा 338 के तहत लागू हुआ। व्हाइट हाउस ने कहा कि वह इस प्रावधान का इस्तेमाल इसलिए कर रहा है क्योंकि कनाडा ने अमेरिकी शराब के खिलाफ "भेदभाव जारी रखा और वास्तव में उसे बढ़ाया" है। यह कदम अगस्त में लगाए गए 50% टैरिफ के बाद उठाया गया। राष्ट्रपति Donald Trump ने अगस्त में तर्क दिया था कि इस विवाद में अमेरिका की स्थिति अधिक मजबूत है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि देश को कनाडा की जरूरत नहीं है।

नई नीति के तहत बिक्री की पहली झलक अभी अधूरी है। NABCA की सितंबर रिपोर्ट में प्रतिबंध लागू होने के बाद के केवल दो दिन शामिल हैं, इसलिए पूरी तस्वीर दिसंबर की शुरुआत में आने वाले अक्टूबर के आंकड़ों से ही मिलेगी। फिर भी, शुरुआती नतीजा उस बात से मेल खाता है जो उद्योग के अनुसार कनाडा में पहले ही हो चुकी है।

मार्च 2025 में ट्रंप के टैरिफ के जवाब में कनाडा के अधिकांश प्रांतों ने सरकारी शराब दुकानों से अमेरिकी वाइन और स्पिरिट्स हटा दीं। Kentucky bourbon और अन्य अमेरिकी ब्रांड कई दुकानों की अलमारियों से गायब हो गए। DISCUS द्वारा उद्धृत उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिकी प्रतिस्पर्धा हटाए जाने के बावजूद बहिष्कार के शुरुआती हफ्तों में कनाडा में बने स्पिरिट्स की बिक्री 6.3% घटी। Swonger ने कहा कि प्रांतों को भी राजस्व का नुकसान हुआ।

अमेरिकी उत्पादकों को सीधा नुकसान हुआ। DISCUS ने बताया कि 2025 में कनाडा को अमेरिकी व्हिस्की का निर्यात 57% घटकर 33 मिलियन डॉलर रह गया। Swonger ने कहा कि कनाडा को उद्योग के कुल निर्यात में 73% की गिरावट आई।

कनाडा में पहले और अब अमेरिका में हुई इन दो घटनाओं से संकेत मिलता है कि स्पिरिट्स खरीदने वाले व्हिस्की की विभिन्न श्रेणियों को एक-दूसरे का विकल्प नहीं मानते। कनाडाई व्हिस्की का कनाडा में बनना जरूरी है, ठीक उसी तरह जैसे bourbon का अमेरिका में बनना जरूरी है। जब कोई एक श्रेणी बाजार से गायब हो जाती है या उसे हासिल करना मुश्किल हो जाता है, तो कई उपभोक्ता उसकी जगह दूसरी व्हिस्की नहीं खरीदते। कुछ टकीला खरीदते हैं, तो कुछ तैयार-पीने-योग्य कैन वाले कॉकटेल की ओर रुख करते हैं।

यह बदलाव इसलिए अहम है क्योंकि हालिया व्यापार तनाव बढ़ने से पहले ही अमेरिकी व्हिस्की दबाव में थी। DISCUS ने बताया कि 2024 में अमेरिकी व्हिस्की की घरेलू बिक्री 1.8% और 2025 में 0.9% घटी। नियंत्रण वाले राज्यों में पिछले एक साल में बिक्री मात्रा 3% नीचे है। 27 अक्टूबर को जारी राष्ट्रीय थोक विक्रेता आंकड़ों में भी सितंबर तक अमेरिकी व्हिस्की की बिक्री में गिरावट जारी दिखाई गई।

आयात प्रतिबंध में एक अहम छूट भी है। चार लीटर से बड़े कंटेनरों में भेजे जाने वाले स्पिरिट्स इससे मुक्त हैं। इसके चलते अमेरिका में सबसे ज्यादा बिकने वाला कनाडाई व्हिस्की ब्रांड Crown Royal थोक में आता रहा है, ताकि अमेरिका में उसकी बोतलबंदी की जा सके। Swonger ने इस छूट को सकारात्मक बताया, क्योंकि अमेरिका में बोतलबंदी की नौकरियां इसी कारोबार पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के स्पिरिट्स उद्योग आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं।

इस व्यवस्था के तहत अमेरिकी बाजार का सबसे बड़ा कनाडाई ब्रांड वहां पहुंचता रह सकता है, जबकि छोटी डिस्टिलरीज़ को बड़ा झटका लग सकता है। कनाडा में बोतलबंदी करके तैयार उत्पाद भेजने वाले उत्पादकों के पास विकल्प कम हैं। इनमें से कई कारोबारों के लिए अमेरिकी बाजार बेहद अहम है। Newsweek की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल उद्योग ने अपने स्पिरिट्स निर्यात का लगभग 93% अमेरिका भेजा।

यह विवाद संघीय व्यापार नीति और कनाडा में शराब की बिक्री के वास्तविक तरीके के बीच बेमेल को भी उजागर करता है। रिपोर्ट के अनुसार, ओटावा फिलहाल बीयर, वाइन या स्पिरिट्स पर जवाबी टैरिफ नहीं लगा रहा है। अमेरिकी शराब के लिए मुख्य बाधा प्रांतीय स्तर पर है, जहां सरकारें या सरकार से जुड़ी एजेंसियां तय करती हैं कि दुकानों में कौन-से उत्पाद रखे जा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा के 10 में से आठ प्रांत अब भी अमेरिकी शराब नहीं खरीद रहे थे।

इसे बेचने वाले दो प्रांतों में से एक Saskatchewan ने 8 सितंबर को 50% शुल्क लगाया। व्हाइट हाउस ने अमेरिकी प्रतिबंध की घोषणा करते समय इस कदम का हवाला दिया था। British Columbia के Premier David Eby ने जुलाई में कहा था कि उनके प्रांत की दुकानों की अलमारियों पर अमेरिकी शराब की वापसी की "नरक में भी कोई संभावना नहीं" है।

इसका मतलब है कि वॉशिंगटन की नीति का निशाना ओटावा है, जबकि शराब की बिक्री पर व्यावहारिक नियंत्रण काफी हद तक प्रांतीय नेताओं के पास है। डिस्टिलर्स, वितरकों और खुदरा विक्रेताओं के लिए इसका नतीजा ऐसे बाजार में लगातार बनी अनिश्चितता है, जो आम तौर पर लंबी योजना अवधि और दुकानों की अलमारियों तक स्थिर पहुंच पर निर्भर करता है।

तनाव घटने के संकेत 1 नवंबर को दिखे, जब प्रधानमंत्री Mark Carney ने कहा कि उनकी Trump के साथ रचनात्मक बातचीत हुई है और वार्ताकार आने वाले हफ्तों में समझौते की दिशा में काम करेंगे। Trump ने भी किसी समझौते की "अवधारणा" का जिक्र किया।

शराब उद्योग के लिए समय अहम है। Swonger ने कहा कि दोनों देशों में स्पिरिट्स की बिक्री के लिए छुट्टियों का मौसम साल का सबसे महत्वपूर्ण दौर है। अगर यह विवाद उस अवधि तक जारी रहता है, तो नुकसान कनाडाई व्हिस्की और अमेरिकी व्हिस्की से आगे बढ़कर थोक विक्रेताओं, प्रांतीय शराब वितरण प्रणालियों, बोतलबंदी कंपनियों और आतिथ्य कारोबारों तक पहुंच सकता है, जो भरोसेमंद आपूर्ति और उपभोक्ताओं के विकल्पों पर निर्भर हैं।

यह घटनाक्रम इस बात की भी परीक्षा बन रहा है कि व्यापार प्रतिबंध पीने की आदतों को किस हद तक बदल सकते हैं। अब तक दोनों देशों के सबूत बताते हैं कि दुकानों की अलमारियों से बोतलें हटाने से घरेलू व्हिस्की निर्माताओं को स्पष्ट लाभ नहीं मिला है। इसके बजाय, व्यापक मादक पेय बाजार में निर्यात, राजस्व और उपलब्धता पर दबाव पड़ा है।